मेरा नाम आकाश बीना मालोत है. मैं आपको मेरे बारे में कुछ बाते बताने वाला हूँ. मैं पहले पहले तो कुलाबा स्कूल में पढ़ता था. जब मैं कक्षा में था. तब कुछ बच्चे और मेरे मित्र कोई खेल खेलरहे थे। तब मुझे भी खेलना था। तब मेरे जो मित्र थे. वो लोग Rugby नामक खेल खेलरहे थे। मुझे तो खेल देखकर अच्छा लग रहा था. मुझे भी खेलने का मन कर रहा था. तब मेरे मित्र मुझे खेलने को दिया, और मुझे इस खेल के नियम कुछ भी पता नहीं था, और मेरे दोस्तो ने सब नियम बताए और कुछ दिनों तक मुझे खेल के बारे में पता नहीं चल रहा था, जब मैं Rugby रोज-रोज खेलने लगा तो सब नियम जानने लगा था।

कुछ दिनों बाद स्कूल के टिम में खेलने लगा था. मुझे स्कूल के स्पर्धा में हिस्सा लेने लगा था। मुझे Rugby के बारे में नई-नई नियम के बारे में पता लगने लगा था। कुछ दिनो बाद में एक टिम मे खेलने जाने लगा, वो टिम का नाम था All Dreams Foundation था। वहा पर मुझे रवि भाटिया से मिला. उन्होने मुझे Rugby के बारे में बताया। यहा पर हमारे सारे दोस्त साथ मे Rugby खेलने लगे थे। हमारा हर शनिवार को 4:00 बजे Practice होता था। हर practice मे मुझे कुछ नया सिखने को मिलता था। इसी तरह हमारा practice होने लगा था। कई सारे हम लोगो ने टिम के साथ कई tournament खेलने लगे थे। हमारा टिम अच्छा खेलने लगा था। कुछ दिनो बाद हम लोग बाहर जाने लगे थे। और हम लोग बाहर जाकर मैच जीतने लगे थे।

जब हम पहली बार महाराष्ट्र से बाहर जाकर खेलने का सोच रहे थे, तब हम लोग

पहली बार ओडीशा जाकर खेल रहे थे। तब हमारे पहली बार था, जो हम लोग महाराष्ट्र के बाहर मैच खेल रहे थे, और हमारे साथ किशोर भाइया थे। उन्होने हम लोगो को किसी चिज कि कमी होने नहीं देनी थी। रेल से जाने के लिए हम लोगो को दिन तीन दिन लगे थे। वहा पर पहली बार जाकर बहुत अच्छा लगा था, और वहा पर हमारे मैच होने लगे थे। हम लोगो ने वहा पर सब मैच हार गए थे। फिर वहा से हम लोगो ने वापस मुंबई आए थे, रवि भाइया ने बोला की कोई बात नहीं बस हम तुम लोगो ने अच्छे से खेला था, आगे तो और भी अच्छे से खेलना होगा। इस तरह हम लोगो ने सही तरह से Rugby के practice करने लगे थे। मुंबई में हम कई टिमो के साथ मैच जितने लगे थे। मुंबई मे हमारा टिम अच्छे से खेलने लगा था। कुछ दिनो बाद मुझे घर पर वालो ने खेलने को मना कर रहे थे। मुझे Rugby नही छोड़ना था। मै घर पर जुट बोलकर Rugby खेलने आता था। और मेरे घर पर Rugby के लिए मना कर दिया था। पर घरवालों ने मुझे बहुत कुछ सुनाया था। मुझे कुछ हो गया तो, इस तरह से मैने रवि भाईया को बताया उन्होंने मेरे घर आकर मेरे माता-पिता को समझा और मुझे Rugby खेलने को घर वालो ने हा बोल दिया था।

जब हमारा exams होने लगा था, तब हम लोगो को Rugby के लिए और टिम से support मिलता था। जब हमारा Result आया तो मैं कुछ विषय मे फेल हो गया था, तब मैने Rugby छोड़ने का सोचने लगा था, तब मुझे

राधे भाईया ने कहा थे फेल होने पर कुछ उदास होना है. और आगे से हर एक चीज के लिए Ready होना चाहिये क्योंकि हर हार के बाद आप हर चीज के लिए मुझे खेलना पड़ता है। और हर चीज को कभी भी कुछ नही होना है। आज हारा है तो कल तु जीत जायेगा, ये सब बाते से मुझे समझाया था। कुछ दिनो बाद में Rugby खेला और मुझे ~~[illegible]~~ punjab जाने को मिला था।

जब हम लोग punjab गए तो हम लोगो ने वहा पर हर मैच जित गाये थे, वहा पर हम लोग बहुत खुश थे। और वहा से हम लोग वापस आए और यहा पर हम लोगो को पढाई के लिए कुछ पैसे मिलने लगे थे। और हम अभी भी all Dreams foundation में हम एक परिवार की तरह रहते है। हमारे परिवार मे हम लोग एक-दूसरे के Problem को सुनकर उन्हे अच्छे से सामना करते है।

I Love All Dreams foundation

family